



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1  
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 21] नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 25, 1986/भाद्रा 3, 1908  
No. 21] NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 25, 1986/BHADRA 3, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके  
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

नई दिल्ली, 19 अगस्त, 1986

निर्देश सं० आर्टि० ए० सी०/एक्यू०/6 एस० आर 1/11/85/334 :— अतः मुझे, एस. सी. गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्राम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु से अधिक है और जिसकी संख्या 24/4834 है तथा जो अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इन उपाखण्ड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर-85, को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिकल्प के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्राम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल्प से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल्प के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल्प, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तराल के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या वन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था / किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए,

मतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकाशितः—

1. श्री/बुजेश्वर बयाल माथुर, सुरेश्वर बयाल माथुर,  
महेश्वर बयाल माथुर पुत्र श्री प्रेम बिहारी माथुर,  
निवासी-8, रायबाड़ा एपार्टमेंट, माल रोड, दिल्ली-4  
घार-4, एन बीएसई-II नई दिल्ली और ई-10, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली द्वारा घर्टांनी श्री एस. डी मदान/ पुत्र  
सी. धार. मदान (अन्तरक)
2. श्री/श्रीमती/कुमारी  
मै. बी.पी. जैन, एस.यू.एफ.  
द्वारा कर्ता श्री बी.पी. जैन पुत्र  
स्व. श्री सुस्तान चन्व जैन निवासी-10,  
कोर्ट लेन, सिविल लाईन दिल्ली, (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो बाद में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।”

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय-20-क में व्यापारिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं.-205, दूसरी मंजिल, तादारी 473 वर्गफिट,  
प्रो. नं.-24/4834, अंसारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली,

तारीख . 19-8-86,

एस. सी. गुप्ता, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त  
(निरीक्षण)

मोहरः

अर्जन रेंज 6 दिल्ली, नई दिल्ली-71

Office of the Inspecting Assistant Commissioner of

Income Tax, Acquisition Range

New Delhi, the 19th August, 1986

Notice Under Section 269 D (I) of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961)

Ref. No. IAC/Acq. VI/37-G/SR.I/11-85/334.—Whereas I, S. C. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 24/4834 situated at Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on November, 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Brijeshwar Dayal Mathur, Sureshwar Dayal Mathur and Maheshwar Dayal Mathur all sons of Shri Prem Behari Mathur R/o. 8, Raivaria Apartments, Mall Road, Delhi, R-4 NDSE-II New Delhi and E-10, Jangpura Ext. New Delhi respectively through their attorney Shri Sh. S.D. Madan S/o Sh. C.R. Madan  
Transferor
- (2) M/s B.P. Jain, HUF, Through its karta Sh. B.P. Jain S/o. Late Sh. Sultan Chand Jain/ R/o. 10, Court Lane, Civil Lincs, Delhi.  
Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by and aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette:

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Flat No. 205, on second floor having a covered area of 473, Sq. Feet, part property No. 24/4834, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

S.C. GUPTA Competent Authority,

(Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax) Acquisition Range VI  
Delhi/New Delhi

Date 19-8-1986  
Seal

निर्देश स. आई. ए. सी./एम्पू./6/एस-आर-1/11/85/335:—अतः मुझे, एस.सी. गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 204 है तथा जो प्रो. नं.-24/4834, दरिया गंज, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 85, को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तराल के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था/किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—,

1. श्री बृजेश्वर दयाल माथुर, सुरेश्वर दयाल माथुर,  
महेश्वर दयाल माथुर, पुत्र श्री प्रेम बिहारी माथुर,  
निवासी-8, रायबाड़ा एपार्टमेंट, माल रोड, दिल्ली, आर-4, एन.डी.एस.ई.-II  
नई दिल्ली और ई-10, जंगपुरा एक्सटेंशन नई दिल्ली द्वारा अर्दानी श्री एस.जी. मदान पुत्र श्री सी.प्रार. मदान (अन्तरक)

2.,

मे. अरोमा कैमिकल्स,  
10, कोर्ट लेन सिविल लिन्स, दिल्ली, द्वारा श्रीमती रेखा जैन प्रोपराईटर

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न.-204, दूसरी मंजिल, तावादी-512 बगें फिट,

प्रौ. न.-24/4834, अन्सारी रोड, 4 दरियानंज, नई दिल्ली

Ref. No. IAC/Acq/VI/37-G/SRI/11-85/335:—Whereas I, S.C. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961)(hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.100000/-and bearing No.204, P.No.24/4834 situated at Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto)has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi, on November, 1985 for and apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1)of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri/Smt/Km. Brijeshwar Dayal Mathur,  
Sureshwar Dayal Mathur and Maheshwar,  
Dayal Mathur, All sons of Sh. Prem Behari Mathur,  
R/O 8-Raivaria Apartments, Mall Road, Delhi D-4, NDSE-II N.Delhi and E-10, Jaugpura Ext, N.  
Delhi, respectively through attorney Sh. S. D. Madan S/O Shri C.R. Madan (Transferor)
- (2) Shri/Smt./Km. M/s, Aroma Chemicals,  
10, Court Lane, Civil Lines, Delhi,  
through Mrs. Rekha Jain Prop./Partner (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Flat No. 204, on Second Floor having, a covered area of 512 Sq. feet part property bearing no. 24/4834, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

निवेश सं. आई.ए.सी./एम्बू.6/एस-आर-1/1185/336.—अतः मुझे, एस.पी. गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इगमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 260ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 201, 202, 203 है तथा जो प्रौ. नं. 4834/24, बरिया गंज, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपान्वत अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1985 को पूर्वावत संपत्ति के उचित बाजारमूल्य में कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्री (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तराल के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूचण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अखंड निम्नलिखित अप्रति, प्रस्तुत :-

1. श्री/श्रीमती/कुमारी .....  
 बृजेश्वर दयाल माथुर, मुरेश्वर श्यामल माथुर,  
 महेश्वर दयाल माथुर, पुत्र श्री प्रेम बिहारी माथुर,  
 निवासी-8, रायबाड़ा एपार्टमेंट, मान रोड, दिल्ली, द्वार-4 एन. डी. एम ई-II  
 नई दिल्ली द्वार ई-10, जंगपुरा एक्स्प्रेसवे नई दिल्ली क्रमशः द्वारा अटार्नी श्री एम.डी. मदान पुत्र श्री सी. द्वार. मदान (अन्तरिक)
2. श्री/श्रीमती/कुमारी .....  
 मै. मुल्तान चन्द्र विमल प्रकाश मुल्तान सदन,  
 10, कोर्ट केम, सिविल लाईन, दिल्ली, (अन्तरिक)  
 द्वारा श्रीपंकज जैन साक्षर
3. श्री/श्रीमती/कुमारी ..... (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)  
 .....  
 .....  
 .....
4. श्री/श्रीमती/कुमारी ..... (वह व्यक्ति जिसके बारे में,  
 ..... अधिहताक्षरी जानता है कि,  
 ..... वह संपत्ति में हितबद्ध है)
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।  
 उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप
- (क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा :—
- (ख) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अनुसूची-20-क में यथापरिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अनुसूची में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं. 201, 202 और 203, दूसरी मंजिल,  
तादादी-1260 वर्ग फिट, प्रो. नं. 4834/24,  
अंसारी रोड, बरियगांज, नई दिल्ली,

Ref. No. IAC/Acq./VI/37-G/SRI/11-85/336. :—Whereas I, S.C. Gupta being the Competent Authority under section 26-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) herein after referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.1,00,000/-and bearing No. Flat Nos. 201,202, 203, P.No. 4834/24, situated at Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi, (and move fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at



New Delhi on November 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said, Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Brijeshwar Dayal Mathur, Sureshwar Dayal Mathur & Maheshwar Dayal Mathur Sons of Shri Prem Behari Mathur R/o. 8 Raivaria Apartments, Mall Road, Delhi, R-4, NDSE-II, N. Delhi and E-10 Jangpura, Ext., New Delhi, respectively through attorney Shri S. D. Madan S/o. Shri C. R. Madan (Transferor)
- (2) Shri/Smt./Km. M/s. Sultan Chand Vimal Prakash, Sultan Sadan, 10-Court Lane Civil Lines, Delhi through its Partner Sh. Pankaj Jain (Transferee)
- (3) Shri/Smt./Km. .... (Person (s) in occupation of the property)
- (4) Shri/Smt./Km. .... (Person (s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the official Gazette:

Explanation:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Flat Nos. 201, 202 and-203 on Second Floor having a covered area of 1260 Sq. Feet. part property bearing No. 4834/24, Ansari Raod, Darya, Ganj, New Delhi.

निर्देश सं. आई.ए.सी./एक्यू/8/एस-गार-1/11-85/337:—अतः मुझे, एस.सी. गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 305 है तथा जो 4834/24, बरियागंज, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1985, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तराल के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी छम या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

मतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकीर्ण :-

1. सर्वश्री बृजेश्वर दयाल माथुर, सुरेश्वर दयाल माथुर, श्री महेश्वर दयाल माथुर, पुत्र श्री प्रेम बिहारी माथुर, निवासी-8, रायवाड़ा एपार्ट-मेंट, माल रोड, दिल्ली, आर.-4 एन.डी.एस.ई.-2 नई दिल्ली और ई.-10 जंगपुरा एक्सटेन्शन, नई दिल्ली क्रमशः द्वारा अटर्नी श्री एस.डी. मदान पुत्र श्री सी. आर. मदान (अन्तरक)
2. मैं. पंकज जैन एच.यू.एफ. द्वारा कर्ता श्री पंकज जैन, पुत्र श्री बिमल प्रकाश जैन निवासी-10, कोर्ट लेन, सिविल लाईन्स, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे :-

- (क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के रा पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है :

#### अनुसूची

प्लॉट नं. 305, कवर्ड एरिया, ताबावी 434 वर्ग फीट, प्रो. बैरिंग नं.-4834/24, अन्सारी रोड, दरीया गंज, नई दिल्ली।

Ref. No. IAC/Acq. VI/37-G/SR. I/11-85/337:— Whereas I, S. C. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)(hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 305, situated at 4834/24 Ansari Raod, Darya Ganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Brijeshwar Dayal Mathur, Sureshwar Dayal Mathur & Maheswar Dayal Mathur Sons of Shri Prem Behari Mathur, R/o. 8-Raivaria Apartments, Mall Road, New Delhi, R-4, NDSE-III, New Delhi and E-10 Jangpura Ext., New Delhi respectively through Attorney Sh. S.D. Madan, S/o Sh. C.R. Madan (Transferor)
- (2) M/s. Pankaj Jain HUF through its Karta Sh. Pankaj Jain, S/o. Sh. Bimal Prakash Jain, R/o 10, Court Lane, Civil Lines, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### SCHEDULE

Flat No. 305, Covered area measuring about 434 Sq. Feet part property bearing No. 4834/24, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

निर्देश सं. आई.ए.सी./एक्यू./6/37-जी/एसआर-1/11-85/338:—अतः मुझे, एस.सी. गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 206 है तथा जो पो नं. 4834/24, अंसारी रोड, में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली दरियागंज, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मध्यम 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्त्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित अन्तरण में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तराल के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वश्री वृजेश्वर दयाल माधुर, सुरेश्वर दयाल माधुर, और महेश्वर दयाल माधुर, सुपुत्र प्रेम बिहारी माधुर, निवासी-8, रविन्द्रा अपार्ट-मेन्ट्स, माल रोड, दिल्ली, आर.-4, एन.डी.एम.ई.-2, नई दिल्ली और ई.-10 जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली, क्रमशः द्वारा अटर्नी और एस.डी. मदान, पुत्र श्री सी.आर. मदान (अन्तरक)
2. श्रीमती उषा जैन, पत्नी श्री बी.के. जैन और मा.मनीष जैन सुपुत्र बी.के. जैन अध्यात्म द्वारा माता उषा जैन 144, न्यू गांधी नगर, गाजियाबाद, (यू. पी.) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे:—

- (क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अग्रिम या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा,

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं. 206, तादावी पूर्ण एरिया 505 वर्ग फीट प्रापटी बियरिंग नं. 4834/24, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली।

Ref. No. IAC/Acq./VI/37-G/SR.I/11-85/338.—Whereas I, S. C. Gupta, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter (referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 206 P. No. 4834/24, situated at Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on Nov. 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent



consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

NOW, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Sh. Brijeshwar Dayal Mathur, Sureshwar Dayal Mathur & Maheshwar Dayal Mathur, All sons of Shri Prem Behari Mathur, R/o. 8, Raiwaria Apartments, Mall Road, R-4, NDSE-II New Delhi and E-10 Jangpura Ext. N. Delhi respectively through Attorney Sh. S. D. Madan, S/o Sh. C. R. Madan. (Transferor)
- (2) Smt. Usha Jain, W/o Sh. V.K. Jain and Master Manish Jain, S/o Sh. V. K. Jain, minor, through his mother and Natural Guardian Smt. Usha Jain, R/o 144, New Gandhi Nagar, Ghaziabad (UP) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the official Gazette.

**Explanation :** The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Flat No. 206, covered area measuring 505 sq. feet part property bearing No. 4834/24, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

निर्देश सं. आई.ए.सी./एक्यू./6/37-जी/एलएल-1/11-85/351, —अतः मुझे, एस.सी. गुप्ता, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-अ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 4405, है तथा जो पार्ट नं.-4, 5, दरियागंज, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उदाहरण अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1985, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतियोग अथवा और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तित्वों (अस्तित्वियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तराल के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्तरक अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :—

1. श्री अरुण कुमार जैन पुत्र श्री प्रकाश चन्द जैन  
निवासी 4378/4, गली, मुगनी लाल 4, अन्मारी रोड, दरियागंज,  
नई दिल्ली (अन्तरक)
2. श्रीमती माधना कोठारी, पत्नी श्री विक्रम कोठारी,  
निवासी-16/72, मिडिल नार्थन, कानपुर (यू.पी.) . . . . . (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ ।

सबत सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप,

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या ससम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो बाव में समाप्त होती हो, के भीतर, पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रसिद्धिस्तकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो प्रायकर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में सूचा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुबन्धी

वेस्टर्न पोर्टन, ग्राउन्ड फ्लोर, प्री. नं.-4405,

पार्ट नं. IV, 5, आंसरी रोड, दार्यागंज, नई दिल्ली।

Ref. No. IAC/Acq. VI/37-G/SRI/11-85/351.—Whereas I, S. C. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 4405, situated Part No. IV at 5, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- Shri Arun Kumar Jain S/o Sh. Parkash Chand Jain, 4378/4, Gali Murari Lal, 4-Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi. ... (Transferor).
- Smt. Sadhna Kothari W/o Sh. Vikram Kothari R/o. 16/72, Civil Lines, Kanpur (U.P.). ... (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the Official Gazette.

**Explanation :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Western Portion of Ground Floor of P. No. 4405, Part No. IV-5, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi

निर्देश सं. आई.ए.सी./एक्यू./6/एस-भार-1/11-85/352 :—अतः मुझे, एस.सी. गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्याबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 4405 है, तथा जो 5, दरियागंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1985, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था/किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :—

1. श्रीमती अरुण कुमार जैन पुत्र श्री प्रकाश चन्द जैन,  
निवासी-4378/4, गली मुरारी लाल, 4, अक्षरी रोड,  
दरियागंज, नई दिल्ली, ..... (अन्तरक)
2. श्रीमती शारदा बेन कोठारी पत्नी श्री मनमुख लाल कोठारी,  
निवासी 16/72, सिविल सार्किस, कानपुर (यू.पी.) ..... (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्याबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वेसमेंट नं. प्रो० नं.-4405,

पार्ट IV-5, दरियागंज, नई दिल्ली।

Ref. No. IAC/Acq. VI/37-G/SRI/11-85/352.—Whereas I, S. C. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 4405, situated at 5-Darya Ganj, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Arun Kumar Jain S/o Sh. Parkash Chand Jain R/o 4378/4, Gali Murari Lal, 4-Ansari Road, Darya Ganj, Delhi. ...(Transferor).
- (2) Smt. Sarda Ben Kothari W/o. Sh. Mansukh Lal Kothari R/o. 16/72, Civil Line, Kanpur (U.P.) ...(Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### SCHEDULE

Basement of P. No. 4405, Part of IV-5, Darya Ganj, New Delhi.

निर्देश सं. ग्राई.ए.सी./एक्यू./8/एस-आर-1/11-85/353 :—अतः मुझे, एस.सी. गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 4405, है तथा जो 5, दरियागंज, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपर-बद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1985, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तराल के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था/किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुमरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अरुण कुमार जैन पुत्र श्री प्रकाश चन्ध जैन,  
निवासी-4378/4, गली मुरारी लाल, 4, अन्सारी रोड, दरियागंज,  
नई दिल्ली । .. (अन्तरक)
2. श्रीमती आरती कोठारी, पत्नी श्री बीपक कोठारी,  
निवासी-16/72, सिविल लाईन, कानपुर (यू.पी.) .. (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राव्य

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ईस्टर्न प्रोसेस हाउस फ्लोर, प्रो. नं.-4405,  
5, दरियागंज, नई दिल्ली,

तारीख 16-8-1986

मोहर

एस. सी. गुप्ता, सक्षम अधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रजन रेंज 6, दिल्ली, नई दिल्ली-7

Ref. No. IAC/Acq/VI/37-G/SRI/11-85/353.—Whereas I, S. C. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing No. 4405, situated 5, Darya Ganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on November 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- Shri Arun Kumar Jain S/o. Sh. Prakash Chand Jain R/o. 4378/4, Gali Murari Lal, 4-Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi ...(Transferor)
- Smt Arti Kothari W/o Sh. Deepak Kothari R/o 16/72, Civil Lines, Kanpur (U.P.). ...(Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- by any other person interested in the official Gazette.

**Explanation :** The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Eastern Portion Ground Floor of P.No. 4405, 5-Darya Ganj, New Delhi.

Date : 19-8-86

Seal

S.C. GUPTA, Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax) Acquisition Range VI,  
Delhi/New Delhi.

690 GI/86—3



